

वाह रे भोले नाथ तू तो रहता है शमशान में

ना मंदिर में रहता ना रहता है मकान में,
वाह रे भोले नाथ तू तो रहता है शमशान में,

हीरे की माला न मोती की माला,
अपने गले में हो सर्पों को डाला,
ऐसा फकड़ देव हमने देखा न जहां में,
वाह रे भोले नाथ तू तो रहता है शमशान में,

न तन पे कुरता है न तन पे धोती,
सारे बदन पर बस इक लंगोटी,
गंगा सिर पे न हो तो तू आये न पहचान में,
वाह रे भोले नाथ तू तो रहता है शमशान में,

ना खाये मेवा ना ही और न ही मिठाई,
भाग के नशे में तूने जिंदगी बिताई,
जिसने जो भी माँगा तूने दे दिया है दान में,
वाह रे भोले नाथ तू तो रहता है शमशान में,

ऐसा है देव जो भी मांगो मिले गा,
वनवारी बोल दे ये जो न टले गा,
ऐसा चमत्कार भोले है तेरी जुबान में,
वाह रे भोले नाथ तू तो रहता है शमशान में,

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6520/title/waah-re-bhole-nath-tu-to-rehta-hai-shamshan-me-na-mandir-me-rehta-na-rehta-hai-makan-me>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |